यूपीईएस ने मशीन लर्निंग और डेटा इंजीनियरिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया

संस्थानों के विशेषज्ञों ने एआई ऐप्लिकेशन्स पर चर्चा की

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। मल्टीडिसिप्लनेरी यूनिवर्सिटी यूपीईएस ने बिधोली परिसर में मशीन लर्निंग और डेटा इंजीनियरिंग (आईसीएमएलडीई 3.0) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे संस्करण का उद्घाटन किया। दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूपीईएस स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस (एसओसीएस) ने एल्सेवियर, यूनिवर्सिटी ऑफ डेटन (यूएसए) और प्रोविडेंस यूनिवर्सिटी के सहयोग से किया है। 2024 का संस्करण आईसीएमएलडीई के पिछले संस्करणों द्वारा स्थापित अकादमिक विशिष्टता की परंपरा

यूपीईएस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग करते विशेषज्ञ।

को जारी रखता है, जिसमें 47 देशों के 3,800 से अधिक कंट्रीब्युटर्स की भागीदारी देखी गई है। सम्मेलन में मशीन लर्निंग और डेटा इंजीनियरिंग के विभिन्न क्षेत्रों से 400 से अधिक रिसर्च पेपर्स प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनमें से स्वीकृत रिसर्च पेपर्स एल्सेवियर द्वारा प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस जर्नल में प्रकाशित किए जाएंगे। एक्सपर्ट के भाषणों और टेक्निकल सेशन के माध्यम से युवा रिसर्चर्स को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया जाता है। कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन के दिन डॉ. संजय बहल डायरेक्टर जनरल सीईआरटी इन मैटी ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया, जबकि डॉ. अजय कुमार, डायरेक्टर आईआरडीई डीआरडीओ ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। पहले दिन, कॉन्फ्रेंस की शुरुआत यूपीईएस के वाइस चांसलर डॉ. राम शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद डॉ. विजयन के. असारी (यूनिवर्सिटी ऑफ़ डेटन) जैसे प्रसिद्ध एक्सपर्ट्स के मुख्य सत्र हुए, जिन्होंने कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर अपने इनसाइट्स साझा किये और डॉ. अमित सचान जिन्होंने ट्रांसफॉर्मेटिव एआई ऐप्लिकेशन्स पर चर्चा की। दूसरे दिन, प्रोफेसर पीटर हान जू चोंग (ऑकलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी) 5G नेटवर्क में फजी लॉजिक एप्लीकेशन को संबोधित करेंगे, जबकि डॉ. बर्नार्ड फोंग ऑटोमोटिव इन्वेंट्री मैनेजमेंट के लिए प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स का पता लगाएंगे। प्रो. रॉबर्टस दामाशेविकियस सस्टेनेबल सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग पर और डॉ. तन्मय चक्रवर्ती हानिकारक ऑनलाइन कंटेंट का मुकाबला करने पर चर्चा करेंगे। यूपीईएस के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस के डीन डॉ. विजयशेखर चेलाबोइना ने इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मशीन लर्निंग और डेटा इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ग्लोबल कम्युनिकेशन बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का उदाहरण है।